



सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री  
Prime Minister

नई दिल्ली  
27 अगस्त, 2011

प्रिय श्री अन्ना हजारे जी,

आपके दिनांक 26 अगस्त के पत्र के लिए धन्यवाद।

जैसा कि आप जानते हैं, संसद में आज लोकपाल संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि संसद के दोनों सदनों ने आपके द्वारा अपने पत्र में उठाए गए तीन बिंदुओं पर एक रेज़ोल्यूशन पास किया है। इस रेज़ोल्यूशन के अनुसार संसद निम्न तीन विषयों पर सैद्धान्तिक रूप से सहमत है:-

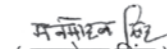
- (1) नागरिक संहिता
- (2) उपयुक्त तंत्र के जरिए निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों को लोकपाल के अधीन करना
- (3) राज्यों में लोकायुक्त की स्थापना

संसद ने यह रेज़ोल्यूशन भी किया है कि आज की कार्यवाही विभाग से संबंधित स्थाई समिति को भेज दी जाए ताकि वह अपनी अनुशंसाएं करते समय उसका अवलोकन कर सके।

आशा है कि आप संसद के रेज़ोल्यूशन को देखते हुए अपना अनशन अविलंब समाप्त करेंगे और पुनः पूर्ण स्वस्थ होंगे। हम सब आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

  
(मनमोहन सिंह)

श्री अन्ना हजारे  
नई दिल्ली

## जनलोकपाल के लिए निर्णायक आंदोलन...

प्यारे भाई और बहनों,

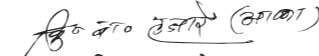
आप जानते होंगे कि पिछले २५ साल से मैं जन आंदोलन के माध्यम से भ्रष्टाचार के विरोध में संघर्ष कर रहा हूँ। जनतंत्र के दबाव से महाराष्ट्र में जनहित में कई कानून बने। लेकिन ये लड़ाई सिर्फ एक राज्य में सिमित नहीं रह सकती। इसलिए जनलोकपाल की मांग को ले कर हम ने एप्रिल २०११ से राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन शुरू किया। १६ अगस्त २०११ को दिल्ली के रामलिला मैदान पर ऐतिहासिक आंदोलन हुआ। जिसमें देश की करोड़ों की संख्या में जनता रास्ते पर उतर आयी। सिर्फ भारतमें ही नहीं बल्कि पुरी दुनिया से इस आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। जनशक्ती का दबाव बढ़ने से संसद में प्रस्ताव पारित कर के प्रधानमंत्री जी ने मुझे याने कि देश की जनता को लिखित आश्वासन दे दिया। उसके बाद भी दो बार आंदोलन करना पड़ा। लोकसभा में लोकपाल बिल पास हो गया। सिलेक्ट कमेटी ने भी पास किया। लेकिन एक साल से वह राज्यसभा में पड़ा है और हम इन्तजार कर रहे हैं।

इस के दौरान मैं लगातार सरकार से पत्र व्यवहार करता रहा। प्रधानमंत्री जी के दफ्तर से मुझे हर बार इस सत्र में बिल लाएंगे ऐसा आश्वासन कई बार लिखित मिलता रहा। लेकिन सरकार ने मेरे साथ और देश की जनता के साथ धोखाधड़ी की। फूड सिक्युरिटी बिल, भूमि अधिग्रहण बिल, पेन्शन बिल, जेल में होते हुए चुनाव लड़नेवाला बिल ऐसे कई बिल सरकारने पास किए, लेकिन जनलोकपाल जानबुझ कर नहीं ला रहे हैं। विपक्ष ने भी जनलोकपाल के बारे में अपनी जिम्मेदारी नहीं निभायी है। विपक्ष के नेता श्रीमती सुषमा स्वराज जी और श्री अरुण जेटली जी ने संसद में जो आश्वासन दिया था वह नहीं निभाया। अब हम और इन्तजार नहीं कर सकते। देश की जनता और धोखाधड़ी नहीं सह सकती। मैंने तो तय किया है कि, जब तक शरीर में प्राण है तब तक भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए लड़ता रहूंगा।

इसलिए १० दिसंबर से रालेगणसिद्धी के संत यादवबाबा मंदिर में मेरा अनिश्चितकालिन अनशन शुरू होगा। मैं देश की जनता को अनुरोध करता हूँ कि, आप सभी को इस आंदोलन में शामिल होना है। ये परिवर्तन की लड़ाई है। ये स्वतंत्रता की दुसरी लड़ाई है। अब पिछे रह जाओगे तो खुद को कभी माफ नहीं करोगे। खास कर के देश के युवा इस आंदोलन को हाथ में लेंगे तो परिवर्तन की घड़ी दूर नहीं होगी। लेकिन मैं एक बात को मन्नता से कहूंगा कि, हमारा आंदोलन पुरे अहिंसात्मक और शांतपूर्ण मार्ग से होगा। १६ अगस्त के आंदोलन में आप सभी ने दुनिया को ये दिखा दिया है। आंदोलन में शामिल होने के लिए सभी को रालेगणसिद्धी में आने की जरूरत नहीं। आप अपने गांव, तहसिल, जिला या शहरों में शांततापूर्ण मार्ग से आंदोलन कर सकते हैं।

इस शीतकालीन सत्र में सरकार को जनलोकपाल बिल लाना होगा। तब तक मेरा अनशन जारी रहेगा। अगर इस सत्र में बिल नहीं लाया गया तो बाद में सार्वत्रिक चुनाव के पहले मैं देशभर जा कर सरकार की धोखाधड़ी के बारे में जनता को जगाऊंगा। सरकार ने जनलोकपाल के बारे में किसी धोखाधड़ी की ये साथ में दिए हुए पत्र पढ़कर आपके समझ में आएगा। आओ सब मिल कर स्वतंत्रता की ये दुसरी लड़ाई लड़ेंगे। जयहिंद।

आपला,

  
कि. बा. हजारे (अण्णा)

अब इन्तजार नहीं सब मिलके कहो।  
जनलोकपाल लाओ नहीं तो जाओ।

बार बार धोखाधड़ी और क्या कह सकते।  
जान दे सकते हैं लेकिन भ्रष्टाचार नहीं सह सकते।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए हमें चाहिए  
**सक्षम जनलोकपाल**



१० दिसंबर से रालेगणसिद्धी में  
**निर्णायक अनशन**

कार्यकर्ताओं ने अपने गांव, तहसिल, जिला या शहरों में शांततापूर्ण मार्ग से आंदोलन करना है।